देववासिनी का मुझको द्वार मिला

ओ मैय्या देववासिनी का मुझको द्वार मिला
मुझको मां मिल गई , हो हो हो
मुझको मां मिल गई , मां का प्यार मिला।

तर्ज – ओ रब्बा कोई तो बताए प्यार होता है क्या।

अपने पराए नहीं उसकी नजर में
मां बनके रहती है वही मेरे घर में
ओ मैय्या.... ओ मैय्या सुख मांगा थोड़ा बेशुमार मिला
मुझको मां मिल गई , मां का प्यार मिला।

देवास पर है तेरे आंचल की छैयां
हे तुलजा मैया चामुंडा मैया
ओ मैय्या.... ओ मैय्या दुर्गा का तुझमें अवतार मिला
मुझको मां मिल गई , मां का प्यार मिला।

जब भी मिला मां से यही मैंने पाया
मुझे खुशियों से मेरी मां ने मिलाया
ओ मैय्या.... ओ मैय्या मुझे मेरा पूरा संसार मिला
मुझको मां मिल गई , मां का प्यार मिला।

उसे क्या हराएगा तूफान भारी
हो जिसपे मैया किरपा तुम्हारी
ओ मैय्या..... ओ मैय्या सहारा कपिल को हर बार मिला
मुझको मां मिल गई , मां का प्यार मिला।

गायक – कपिल वैष्णव
लेखक – जयंत सांखला

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34241/title/dewvasini-ka-mujhko-dwar-mila

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |